

ЯНВАРЬ

1. Лк. 1
2. Ин. 1:1-14
3. ЖВ 19-21
4. ЖВ 22-24
5. ЖВ 25-26
6. ЖВ 27-28
7. ЖВ 29-30
8. Мф. 1:1-17
9. Лк. 3:23-38, ЖВ 31-32
10. ЖВ 33-35
11. ЖВ 36-38
12. Мф. 1:18-25, ЖВ 43-44
13. Лк. 2:1-21
14. ЖВ 47-49
15. Лк. 2:22-38, ЖВ 50-51
16. ЖВ 52-55
17. ЖВ 56-58
18. Мф. 2, Лк. 2:39-40
19. ЖВ 59-62
20. ЖВ 63-64
21. ЖВ 65-67
22. ЖВ 68-70
23. ЖВ 71-72
24. ЖВ 73-74
25. Лк. 2:41-52, ЖВ 75-76
26. ЖВ 77-59
27. ЖВ 80-81
28. ЖВ 82-83
29. ЖВ 84-86
30. ЖВ 87-89
31. ЖВ 90-92

ФЕВРАЛЬ

1. Мф. 3:1-12, Мк. 1:1-8
2. Лк. 3:1-18, ЖВ 97
3. ЖВ 98-100
4. ЖВ 101-102
5. ЖВ 103-105
6. ЖВ 106-108
7. Мф. 3:13-17, Мк. 1:9-11, Лк. 3:21-22,
ЖВ 109-110
8. ЖВ 111-113
9. Мф. 4:1-11, Мк. 1:12-13
10. Лк. 4:1-13, ЖВ 114-115
11. ЖВ 116-118
12. ЖВ 119-121
13. ЖВ 122-123
14. ЖВ 124-126
15. ЖВ 129-131
16. Ин. 1:15-51, ЖВ 132
17. ЖВ 133-135
18. ЖВ 136-137
19. ЖВ 138-140
20. ЖВ 141-143
21. Ин. 2:1-12, ЖВ 144-146
22. ЖВ 147-149
23. ЖВ 150-153
24. Ин. 2:13-25, ЖВ 154-155
25. ЖВ 156-158
26. ЖВ 161-163
27. ЖВ 164-166
28. Ин. 3:1-22, ЖВ 167-168

МАРТ

1. ЖВ 171-173
2. ЖВ 174-177
3. Ин. 3:23-36, ЖВ 178-179
4. ЖВ 180-182
5. Ин. 4:1-42, ЖВ 183-184
6. ЖВ 187-189
7. ЖВ 190-192
8. ЖВ 193-195
9. Мф. 4:23-25, Лк. 4:14-15, Ин. 4:43-54,
ЖВ 196-197
10. ЖВ 198-200
11. Ин. 5, ЖВ 201
12. ЖВ 201-204
13. ЖВ 205-207
14. ЖВ 208-210
15. ЖВ 211-213
16. Мф. 11:1-27, Лк. 7:18-35
17. Мф. 14:1-12, Лк. 3:19-20, ЖВ 214-216
18. Мк. 6:14-29
19. ЖВ 217-219
20. ЖВ 220-222
21. ЖВ 223-225
22. Мк. 1:14-15, ЖВ 231-232
23. ЖВ 233-235
24. Мф. 13:53-58, Мк. 6:1-6, ЖВ 236-237
25. Лк. 4:16-30
26. ЖВ 238-240
27. ЖВ 241-243
28. Мф. 4:18-22, Мк. 1:16-20, ЖВ 244-245
29. Лк. 5:1-11
30. ЖВ 246-251
31. Мф. 4:12-17, Мк. 1:21-39

АПРЕЛЬ

1. Лк. 4:31-44, ЖВ 252-253
2. Мф. 8:14-17, ЖВ 254-256
3. ЖВ 257-259
4. ЖВ 260-261
5. Мф. 8:1-4, Мк. 1:40-45, ЖВ 262
6. Лк. 5:12-26
7. Мф. 9:1-8, 32-34
8. Мк. 2:1-12, ЖВ 263-265
9. ЖВ 266-268
10. ЖВ 269-271
11. Мф. 9:9-17, Мк. 2:13-22
12. Лк. 5:27-39
13. ЖВ 272-274
14. ЖВ 275-277
15. ЖВ 278-280
16. Мф. 12:1-21, Мк. 2:23-28
17. Лк. 6:1-11, ЖВ 281-282
18. Мк. 3:1-12, ЖВ 283-285
19. ЖВ 286-289
20. Мф. 8:18-22, Мк. 3:13-19
21. Лк. 6:12-16, ЖВ 290-291
22. Лк. 9:57-62, ЖВ 292-294
23. ЖВ 295-297
24. Мф. 5
25. Мф. 6
26. Мф. 7
27. Лк. 6:17-49
28. ЖВ 298-300
29. ЖВ 301-305
30. ЖВ 306-308

МАЙ

1. ЖВ 309-310
2. ЖВ 311-312
3. ЖВ 313-314
4. Мф. 8:5-13, ЖВ 315-316
5. Лк. 7:1-17
6. ЖВ 317-318
7. ЖВ 319-320
8. Мф. 12:22-50
9. Мк. 3:20-35, Лк. 8:19-21, ЖВ 321
10. ЖВ 322-324
11. ЖВ 325-327
12. Мф. 13:1-52
13. Мк. 4:1-34, Лк. 8:1-18
14. Мф. 11:28-30, ЖВ 328-329
15. ЖВ 330-332
16. Мф. 8:23-34, Мк. 4:35-41
17. Лк. 8:22-39, ЖВ 333-334
18. Мк. 5:1-20, ЖВ 335-337
19. ЖВ 338-339
20. ЖВ 340-341
21. Мф. 9:18-31, Мк. 5:21-43
22. Лк. 8:40-56, ЖВ 342
23. ЖВ 343-344
24. ЖВ 347-348
25. Мф. 10
26. Мк. 6:7-13, Лк. 9:1-6, ЖВ 349
27. ЖВ 350-352
28. ЖВ 353-355
29. ЖВ 356-358
30. Мф. 9:35-38, Мк. 6:30-32, Лк. 9:7-9,
ЖВ 359-360
31. ЖВ 361-363

ИЮНЬ

1. Мф. 14:13-21, Мк. 6:33-34
2. Лк. 9:10-17, Ин. 6:1-13
3. ЖВ 364-365
4. ЖВ 366-368
5. ЖВ 369-371
6. Мф. 14:22-36, Мк. 6:45-56
7. Ин. 6:14-21, ЖВ 377
8. ЖВ 378-380
9. ЖВ 381-382
10. Ин. 6:22-65, ЖВ 383-384
11. ЖВ 385-387
12. ЖВ 388-390
13. ЖВ 391-394
14. Мф. 15:1-20
15. Мк. 7:1-23
16. ЖВ 395-398
17. Мф. 15:21-28, Мк. 7:24-30, ЖВ 399-400
18. ЖВ 401-403
19. Мф. 15:29-39, Мк. 7:31-37
20. ЖВ 404-405
21. Мф. 16:1-12, ЖВ 406-407
22. Мк. 8:1-21
23. ЖВ 408-409
24. Мк. 8:22-26, ЖВ 410-411
25. Мф. 16:13-28, Мк. 8:27-38
26. Лк. 9:18-27, Ин. 6:66-71, ЖВ 412-413
27. Мк. 9:1, ЖВ 414-415
28. ЖВ 416-418
29. Мф. 17:1-8, Мк. 9:2-8, Лк. 9:28-36,
ЖВ 419-420
30. ЖВ 421-425

ИЮЛЬ

1. Мф. 17:9-21, Мк. 9:9-29
2. Лк. 9:37-45, ЖВ 426-427
3. ЖВ 428-431
4. Мф. 17:22-27, Лк. 9:46-50, ЖВ 432-433
5. Мк. 9:30-50
6. Мф. 18
7. ЖВ 434-436
8. ЖВ 437-439
9. ЖВ 440-442
10. Ин. 7:1-15, 37-39, ЖВ 447-448
11. ЖВ 449-451
12. ЖВ 452-454
13. Ин. 7:16-36, 40-53
14. ЖВ 455-456
15. Ин. 8:1-11, ЖВ 457-459
16. ЖВ 460-462
17. Ин. 8:12-59
18. Ин. 9
19. ЖВ 463-465
20. ЖВ 466-468
21. ЖВ 469-471
22. ЖВ 472-475
23. Ин. 10:1-30, ЖВ с. 476
24. ЖВ 477-479
25. ЖВ 480-484
26. Мф. 19:1-12, Лк. 9:51-56
27. Мк. 10:1-12, ЖВ 485
28. Мф. 19:23-30, Мк. 10:23-31,
ЖВ 486-488
29. Лк. 10:1-24
30. Мф. 20:1-19, 29-34
31. Мк. 10:46-52, ЖВ 489-493

АВГУСТ

1. ЖВ 494-496
2. Лк. 10:25-37, ЖВ 497-498
3. ЖВ 499-503
4. ЖВ 504-505
5. Лк. 11
6. Лк. 12
7. Лк. 13
8. Лк. 14
9. Лк. 15
10. Лк. 16
11. Лк. 17:1-19, 23-37
12. Лк. 18:1-14, 24-30, 35-43; 19:11-28
13. Лк. 17: 20-22, ЖВ 506-507
14. ЖВ 508-510
15. Мф. 19:13-15, Мк. 10:13-16, Лк. 18:15-17,
ЖВ 511-512
16. ЖВ 515-517
17. Мф. 19:16-22, Мк. 10:17-22, Лк. 18:18-23,
ЖВ 518
18. ЖВ 519-523
19. Лк. 10:38-42, ЖВ 524-525
20. Ин. 11:1-44
21. ЖВ 526-528
22. ЖВ 529-533
23. ЖВ 534-536
24. Ин. 10:31-42, ЖВ 537-538
25. Ин. 11:45-54, ЖВ 539-542
26. Мф. 20:20-28, Мк. 10:32-45, Лк. 18:31-34,
ЖВ 547-548
27. ЖВ 549-551
28. Лк. 19:1-10, ЖВ 552-553
29. ЖВ 554-556
30. Мф. 26:6-13, Мк. 14:3-11, Лк. 7:36-50,
Ин. 11:55-57, ЖВ 557
31. Ин. 12:11, ЖВ 558-560

СЕНТЯБРЬ

1. ЖВ 563-555
2. ЖВ 566-568
3. Мф. 21:1-11, Мк. 11:1-10
4. Лк. 19:29-44, Ин. 12:12-19, ЖВ 569
5. ЖВ 570-572
6. ЖВ 575-576
7. ЖВ 577-579
8. Мф. 21:17-22, Мк. 11:11-14, 20-26,
ЖВ 580
9. ЖВ 581-583
10. ЖВ 584-588
11. Мф. 21:12-16, 23-46
12. Мк. 11:15-19, 27-33, Лк. 19:45-48
13. Мк. 12:1-12, ЖВ 589-591
14. Лк. 20:1-19
15. ЖВ 592-594
16. ЖВ 595-597
17. ЖВ 598-600
18. Мф. 22
19. Мк. 12:13-40, Лк. 20:20-47
20. ЖВ 601-603
21. ЖВ 604-606
22. ЖВ 607-609
23. Мф. 23
24. Мк. 12:41-44, Лк. 21:1-4, ЖВ 610-611
25. ЖВ 612-614
26. ЖВ 615-617
27. ЖВ 618-620
28. Ин. 12:20-50, ЖВ 621-622
29. ЖВ 623-626
30. Мф. 24

ОКТЯБРЬ

1. Мк. 13
2. Лк. 21:5-38, ЖВ 627
3. ЖВ 628-630
4. ЖВ 631-633
5. ЖВ 634-636
6. Мф. 25, ЖВ 637-638
7. ЖВ 639-641
8. Лк. 22:7-13, 24-38
9. Ин. 13:1-17, ЖВ 642-643
10. Мф. 26:14-16, Мк. 14:17-31,
ЖВ 644-646
11. ЖВ 649-651
12. Мф. 26:17-35, Мк. 14:12-16
13. Лк. 22:14-23, Ин. 13:18-30,
ЖВ 652-653
14. ЖВ 654-656
15. ЖВ 659-661
16. Ин. 13:31-38, Ин. 14
17. Ин. 15, 16
18. Ин. 17
19. ЖВ 662-664
20. ЖВ 667-669
21. ЖВ 670-672
22. ЖВ 673-675
23. ЖВ 676-680
24. Мф. 26:36-56, Мк. 14:32-52
25. Лк. 22:39-53, Ин. 18:1-12
26. ЖВ 685-686
27. ЖВ 687-689
28. ЖВ 690-694
29. ЖВ 695-697
30. Мф. 26:57-75
31. Мк. 14:53-72, ЖВ 698

НОЯБРЬ

1. Лк. 22:54-71, Ин. 18:13-27
2. Мф. 27:1, ЖВ 699
3. ЖВ 700-703
4. ЖВ 704-706
5. ЖВ 707-708
6. ЖВ 709-710
7. ЖВ 711-713
8. ЖВ 714-715
9. Мф. 26:1-5, Мк. 14:1-2, Лк. 22:1-6,
ЖВ 716
10. Мф. 27:2-10, ЖВ 717-719
11. ЖВ 720-722
12. Мф. 27:11-31
13. Мк. 15:1-20, Ин. 18:28-40
14. Лк. 23:1-25
15. Ин. 19:1-15, ЖВ 723-724
16. ЖВ 725-726
17. ЖВ 727-729
18. ЖВ 730-731
19. ЖВ 732-733
20. ЖВ 734-735
21. ЖВ 736-737
22. ЖВ 738-740
23. Мф. 27:32-53, Мк. 15:21-47
24. Лк. 23: 26-56
25. Ин. 19:16-42
26. ЖВ 741-743
27. ЖВ 744-745
28. ЖВ 746-749
29. ЖВ 750-752
30. ЖВ 753-754

ДЕКАБРЬ

1. ЖВ 755-757
2. ЖВ 758-759
3. ЖВ 760-761
4. ЖВ 762-764
5. ЖВ 769-770
6. ЖВ 771-773
7. ЖВ 774-775
8. Мф. 27:54-66, ЖВ 776-778
9. Мф. 28:2-4, 9-15, ЖВ 779-780
10. ЖВ 781-785
11. ЖВ 786-787
12. Мф. 28:1, 5-8, Ин. 20:1-18, ЖВ 788
13. Мк. 16:1-14, Лк. 24:1-12
14. ЖВ 789-790
15. ЖВ 793-794
16. Лк. 24:13-32, ЖВ 795-796
17. ЖВ 799-801
18. Лк. 24:33-49, Ин. 20:19-31, ЖВ 802
19. ЖВ 803-804
20. ЖВ 805-806
21. ЖВ 807-808
22. Ин. 21, ЖВ 809-810
23. ЖВ 811-812
24. ЖВ 815-817
25. Мф. 28:16-20, Мк. 16:15-20,
ЖВ 818-819
26. ЖВ 820-822
27. ЖВ 823-825
28. ЖВ 826-828
29. Лк. 24:50-53, ЖВ 829-830
30. ЖВ 831-832
31. ЖВ 833-835